अब तो माधव मोही उभार

अब तो माधव मोही उभार |
दिवस बीते रैन बीती, बार बार पुकार ||

नाव है मझधार भगवान्, तीर कैसे पाए,
घिरी है घनघोर बदली पार कौन लगाये |

काम क्रोध समेत तृष्णा, रही पल छिन घेर,
नाथ दीनानाथ कृष्णा मत लगाओ देर |

दौर कर आये बचने द्रोपदी की लाज,
द्वार तेरा छोड़ के किस द्वार जाऊं आज |

स्वर : लक्ष्मी शंकर

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/52/title/ab-to-maadhav-mohi-ubhaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |